डी. उमा माहेश्वरी

अकादेमी पुरस्कारः संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराए (हरिकथा)

आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में 21 मई 1960 को जन्मी, श्रीमती डी. उमा माहेश्वरी ने कदली वीरबाबू, पेद्दीन्ती सूर्यनारायण देक्षितुलु, वदलामणि नरसिम्हा दासु, राजशेकरुनी लक्ष्मीपति राव और एनसीएच कृष्णमाचार्युलु से हरिकथा का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने श्री सर्वराय हरिकथा पाठशाला, पूर्वी गोदावरी जिला, कपिलेश्वरपुरम में भी प्रशिक्षण लिया है। श्रीमती माहेश्वरी का सम्बंध आदिभाटला नारायण दास सम्प्रदाय से है और आपने कर्नाटक संगीत और आंध्रानाट्यम में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

श्रीमती डी. उमा माहेश्वरी कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों से जुड़ी हुई हैं, और वर्तमान में सर्वराय हरिकथा पाठशाला में बतौर अतिथि शिक्षक, संस्कृत हरिकथा पढ़ाती हैं। आपने बहुत से छात्रों को हरिकथा में प्रशिक्षित किया है। आपकी कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं। आपको कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा प्रलेखित किया गया है। आपने देश–विदेश में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में हरिकथा पर संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है।

हरिकथा के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें कालिदास अकादमी, उज्जैन द्वारा प्रदान किया गया चित्रकथा सरस्वती (1985)य भगवत मेला मेलातुर द्वारा प्रदान किया गया हरिकथा गान विद्वानमणि (1991)य उगादि पुरस्कार (2012)य और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किया गया कलारत्न (2015) पुरस्कार प्रमुख हैं।

श्रीमती डी. उमा माहेश्वरी को हरिकथा कला में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

D. UMA MAHESHWARI

Akademi Award: Other Major Traditions of Music (Harikatha)

Born on 21 May 1960 at Machilipatnam in Andhra Pradesh, Shrimati D. Uma Maheshwari received her training in Harikatha from Kadali Veerababu, Peddinti Suryanarayana Deekshithulu, Vadlamani Narsimha Dasu, Rajashekaruni Lakshmipathi Rao, and NCH Krishnamacharyulu. She has also received training at Sri Sarvaraya Harikatha Pathashala, East Godavari District, Kapileswarapuram. Belonging to the Adibhatla Narayana Dasu Sampradaya, D. Uma Maheshwari has also received training in Carnatic music and Andhranatyam.

Shrimati D. Uma Maheshwari has been associated with many prestigious cultural institutions, and is presently working as a Visiting Teacher at Sarvaraya Harikatha Pathashala to teach Sanskrit Harikathas. She has trained many students and has many recordings to her credit. Shrimati Uma Maheswari has been documented by many prestigious cultural institutions. She has conducted many seminars and workshops on Harikatha in many prestigious music festivals in India and abroad.

For her contribution in the field of Harikatha, she has been honoured with many prestigious titles and awards. These include the Chitrakatha Saraswathi given by Kalidasa Academy, Ujjain (1985); the Harikatha Gaana Vidwanmani bestowed by the Bhagavatha Mela Melattur (1991); the Ugadi Puraskar (2012); and the Kalaratna (2015) conferred by the Government of Andhra Pradesh.

Shrimati D. Uma Maheswari receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for her contribution to the art of Harikatha.